सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 89
02/02/2018

एन॰सी॰सी॰ राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और साझी सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रतिबद्ध संगठन है –राज्यपाल

पटना, 02 फरवरी 2018

''भारतवर्ष में एन॰सी॰सी॰ की स्थापना का उद्देश्य यह रहा है कि हम अपने देश में ऐसे युवाओं को तैयार करें, जो ऊर्जावान हों, तेजस्वी और ओजस्वी हों, पूर्ण अनुशासित हों, अपने उत्तरदायित्वों को पूरा करने के प्रति पूरी तरह समर्पित और गंभीर हों, देश के विकास के प्रति पूरी तरह सचेष्ट और प्रतिबद्ध हों। आज एन॰सी॰सी॰ के माध्यम से ऐसे लाखों युवा हमारे देश में तैयार हो रहे हैं, जो हमारी राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता, साझी सांस्कृतिक विरासत और संवैधानिक मर्यादाओं के प्रति पूरी तरह निष्ठावान और प्रतिबद्ध हैं।'' –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यापाल श्री सत्य पाल मलिक ने 69वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय परेड में भाग लेकर लौटे बिहार–झारखंड के एन॰सी॰सी॰ कैडेट्स के प्रोत्साहन में राजभवन, पटना में आज आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि एन॰सी॰सी॰ युवाओं का चरित्र–निर्माण करती है। साथ ही, सामाजिक सरोकार से जुड़े विषयों –यथा –रक्तदान शिविरों का आयोजन, साक्षरता अभियान, दहेज एवं बाल विवाह प्रथा–उन्मूलन, नशा–उन्मूलन, कन्या–भ्रूण हत्या उन्मूलन आदि के लिए जन–जागरूकता अभियान चलाकर एन॰सी॰सी॰ के युवा कैडेट्स राष्ट्र–निर्माण में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। राज्यपाल श्री मलिक ने बताया कि छात्र–जीवन में उन्होंने भी एन॰सी॰सी॰ संस्था में रहकर प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

राज्यपाल ने कहा कि भारतवर्ष में हम अपनी सेनाओं, संविधान एवं न्यायपालिका पर पूरा विश्वास और गौरव रखते हैं। इनकी वजह हमारा लोकतंत्र काफी सुदृढ़ और समुन्नत हुआ है।

राज्यपाल ने अपनी विदेश यात्राओं का जिक्र करते हुए कहा कि विदेशों में भी राष्ट्रीय निर्माण के लिए चरित्र–निर्माण पर बहुत जोर दिया जाता है। उन्होंने अपने मार्मिक संबोधनों के दौरान राष्ट्रीय निर्माण में युवाओं को पूरी तल्लीनता और तत्परता से जुट जाने का आह्‌वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश, दुनियाँ के सर्वोत्कृष्ट लोकतांत्रिक गणराज्यों में से एक है। हमारे देश का संविधान दुनियाँ के बेहतरीन संविधानों मे से एक है। हमारा संविधान केवल हमारे देश की शासन–व्यवस्था को ही संचालित नहीं करता, बल्कि यह हमारा एक कुशल पथ–प्रदर्शक भी है। इसकी 'प्रस्तावना' को ही अपने जीवन में शिरोधार्य बना लेने पर हम इस महान देश के एक आदर्श नागरिक के रूप में अपने को प्रस्तुत करने में सफल रहेंगे।

आज के एन॰सी॰सी॰ के स्वागत–प्रोत्साहन कार्यक्रम (एट होम पार्टी) के दौरान युवा कैडेट्स द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गये। राज्यपाल ने नई दिल्ली में शानदार प्रदर्शन कर लौटे युवाओं को प्रोत्साहन–स्वरूप स्मृति चिन्ह् एवं पुरस्कार–राशि भी प्रदान की।

समारोह के दौरान 'इन्टर ग्रुप गवर्नर बैनर चैम्पियनशिप' का पुरस्कार भागलपुर एन॰सी॰सी॰ ग्रुप को महामहिम ने प्रदान किया। साथ ही विभिन्न प्रक्षेत्रों में शानदान प्रदर्शन के लिए पूजा कुमारी, आशुतोष कुमार ठाकुर, राहुल कुमार, चितरंजन राज, अभिषेक सिंह, अजित शर्मा, आकांक्षा, आशीष कुमार एवं शुभांगी कुमारी को राज्यपाल ने स्मृति चिन्ह् एवं पुरस्कार राशि प्रदान की। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान बेहतर प्रदर्शन के लिए रोहित कुमार एवं रागिनी कुमारी को भी पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में स्वागत–भाषण एवं एन॰सी॰सी॰ की गतिविधियों पर अपर महानिदेशक मेजर जनरल शम्मी सबरवाल ने प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने एन॰सी॰सी॰ की 'स्मारिका' का भी विमोचन किया। समारोह में पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ रास बिहारी प्रसाद सिंह, एन॰सी॰सी॰ के अपर महानिदेशक मेजर जनरल शम्मी सबरवाल, उपमहानिदेशक बिग्रेडियर तुषार मिश्रा, राज्यपाल सचिवालय एवं राज्य सरकार के कई वरीय अधिकारीगण, विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के कई अधिकारी एवं प्राचार्यगण आदि भी उपस्थित थे।

.....